विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्या
रायपुर (छ.ग.)
आनंद मेला
(शिक्षा
का हार्दिक स्वागत
भिनंदन करता है
Samo

Satyam
Special
धासु ढोकला

Satyam
Special Sprouts
घासु ढोकला

करती हूं, कि वे इनकी दिव्यंगता को स्वीकार कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए कोपलवाणी जैसी संस्था के माध्यम से एक पूर्णता प्रदान कर रहे हैं। इस अवसर पर कोपलवाणी संस्थापक एवं प्राचार्या पदमा शर्मा, अध्यक्ष सीमा छाबड़ा, रोटरी क्लब सचिव निशा बाफना, विजय भट्टाचार्य, प्रशान्त पाण्डेय, शुभा मिश्रा, लायन जे.एस.ठाकुर, स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाएं, मानसिक दिव्यांग गह घरौंदा के स्त्री-पुरूष दिव्यांग, बहु सेवा केन्द्र के बुजुर्ग एवं मूक-बधिर छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए। संचालन शुभा मिश्रा ने किया।

गांधी की फिल्म का प्रदर्शन

रायपुर ● दुर्गा कॉलेज में गांधीजी की 150वीं जयंती के अवसर पर रीडिंग रूम में गांधी फिल्म का प्रदर्शन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि महापौर प्रमोद दुबे उपस्थित हुए। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य केके बेगानी ने महापौर को तुलसी का पौधा देकर स्वागत किया। इसके अलावा छात्रों ने गांधी के जीवन पर अपने विचार व्यक्त किए।

करते है। यह जो मापन करते है उसमें मापन करने वाले व्यक्ति का प्रभाव पड़ता है।

अतः एक समान मापन करने के लिए मनोवैज्ञानिक परीक्षण में उपकरण की आवश्यकता होती है। उपकरण का निर्माण करते समय वैधता, विश्वसनीयता, वस्तुनिष्ठता, नार्म्स एवं भाषा पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। डॉ.मीता डॉ. रिया द्वारा शीर्षक एवं उद्देश्य के आधार पर छात्राध्यापकों द्वारा निर्मित प्रश्नों का अवलोकन किया गया। आवश्यकतानुसार प्रश्नों में संशोधन पाठ्य वस्तु का विश्लेषण की आवश्यकता एवं विश्लेषण करते समय ध्यान रखने वाली बातों पर विस्तार से चर्चा हुई। पाठ्य वस्तु विश्लेषण को गुणात्मक एवं मात्रात्मक दोनों विश्लेषण में शामिल किया जा सकता है।

साउथ इंडियन और छत्तीसगढ़ी व्यंजन का तड़का

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ● कला वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में आयोजित विप्र फन फेस्ट 2019 में प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रांतों के लजीज व्यंजनों के साथ रोमांचक गेम्स का भी आनंद उठाया।

फनफेस्ट में सभी विभागों के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के व्यंजन जैसे गुपचुप, पापड़ी, कुल्फी, चार्ट, इडली, सैंडविच भेल के साथ चीला, फरा, अरसा जैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजनों एवं मनोरंजक गेम के स्टाल लगाए गए थे।

प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा आनंद मेला में फन के साथ सीखने का मौका मिलता है

टीम में कार्य करने का जज्बा जागृत होता है। छात्राओं ने कहा कि हम घर में तो खाना बनाते ही हैं लेकिन यहां हमारे टैलेंट को एक पहचान मिली है। हर चीज बनाने के कई तरीके होते हैं। कभी कोई चीज किसी दूसरे के हाथों से बने तो उसका स्वाद ज्यादा पसंद आता है। हमें यहां एक प्लेटफॉर्म मिला। इस तरह एक-दूसरे से सीखने का मौका मिलता है।